शोध मंथन Vol. XV No.II Apr.-June 2024 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Impact Factor 8.8777 (SJIF)

उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग की वृद्धि एंव विकास का एक भौगोलिक अध्ययन

प्राप्तिः 08.05.2024
स्वीकृत 27.06.2024

45

डॉ० पूनम चौधरी
सहायक आचार्य
भूगोल विभाग मेरठ कॉलिज, मेरठ

आँचल
शोधार्थी
ईमेलः *anchalchaprana9@gmail.com*

श्वेता चौहान
शोधाथी
ईमेलः *shwetachauhangeo@gmail.com*

सारांश

आधुनिक समय में आज मानव अपने आप को ऊँचाइयों पर ले जाने के कारण अपने कार्य में इतना व्यस्त हैं, कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर कोई ध्यान नहीं दे पाता, जिस कारण मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन जैसी बिमारियों से ग्रस्त हैं! ऐसे में पर्यटन मन को फिर से स्वस्थ और तरोताजा बनाने में काफी मद्दगार होता है! आज के समय में पर्यटन मानव जीवन का आवश्यक अंग बन गया हैं! विकसित देश हो या विकासशील, सभी देशो में पर्यटन उद्योग फल–फूल रहा हैं! भारत देश जो विविधताओ से परीपूर्ण हैं, देशी पर्यटकों के साथ–साथ विदेशी पर्यटको को भी लुभावने में पीछे नहीं हैं ! विश्व में जितनी विविधताएं हैं, अकेले भारत देश में इतनी विविधताएं पाई जाती हैं! भारत देश में 28 राज्य और 8 केन्द्रशासित प्रदेश हैं। प्रत्येक राज्य की अपनी अलग–अलग संस्कृति, भाषा और त्यौहार हैं। ऐसे ही उत्तर प्रदेश राज्य हैं, जो सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक विविधता के लिए प्रसिद्व हैं। प्रस्तुत शोध में हम उत्तर प्रदेश राज्य के पर्यटन की वृद्धि एवं विकास का भौगोलिक अध्ययन करेंगें।

मुख्य बिन्दू

विकसित, विकासशील, पर्यटन, विविधता, पार्किंग अटेंडेंट, पर्यटक गाइड, ट्रांसलेटर, ग्राउंड स्टाफ, ट्रैवल एजेंट, ट्रैवल ऑफिसर, और ट्रांसपोर्ट ऑफिसर।

प्रस्तावना

पर्यटन आधुनिक समय में मानव जीवन का एक अभिन्न अंग हैं। जिस कारण पर्यटन एक उद्योग के रूप में फल–फूल रहा हैं। क्योंकि आज के समय में पर्यटक आय के बड़े स्त्रोत हैं। जो पर्यटक स्थल के विकास के साथ–साथ सम्पूर्ण क्षेत्र की अधः संरचना के विकास में सहायक होते हैं! एक पर्यटक स्थल अपने आस–पास के क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। पर्यटक स्थल

रोजगार को बढ़ावा देने में भी मददगार होते हैं। पार्किंग अटेंडेंट, पर्यटक गाइड, ट्रांसलेटर, ग्राउंड स्टाफ, ट्रैवल एजेंट, ट्रैवल ऑफिसर, और ट्रांसपोर्ट ऑफिसर जैसे रोजगाार के अवसर पर्यटन उद्योग की ही देन हैं।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने पर्यटन को इस प्रकार परिभाषित किया हैं– "पर्यटन में अवकाश, व्यापार एवं अन्य उद्देश्यों के लिए अधिकतम एक वर्ष तक अपने सामान्य परिवेश से बाहर के स्थानों पर यात्रा करने एवं रहने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों को सम्मिलित किया गया हैं।"

भारत में पर्यटन बड़ा सेवा उद्योग हैं, जहां इसका 2022 में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 5.9 प्रतिशत योगदान हैं। 2022 में भारत के पर्यटन उद्योग ने लगभग 190 बिलियन यू. एस. डॉलर जनित किया। भारत अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर केरल की उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों तक फैली इसकी विशाल सीमाएँ विविधताओं से परिपूर्ण हैं। जो पर्यटकों को आकर्षित करती है।

भारत में स्थित, उत्तर प्रदेश राज्य भी घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान हैं। भौगोलिक रूप से भी इस प्रदेश में विविधताएं देखने को मिलती हैं– उत्तर की ओर हिमालय पर्वत, दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। गंगा और यमुना प्रमुख नदियाँ हैं, जो इस क्षेत्र में जलोढ़ मिट्टी से बने मैदानी क्षेत्र का निर्माण करती हैं। यह राज्य ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विविधताओं से परिपूर्ण हैं। इस राज्य में पर्यटन उद्योग अत्यंत समृद्ध हैं। यहाँ पर्यटक स्थलों में ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विविधताएं मिलती हैं। उत्तर प्रदेश के कुछ प्रमुख पर्यटक स्थल इस प्रकार हैं– आगरा का ताजमहल; फतेहपुर सीकरी में सलीम चिश्ती की दरगााह; वाराणसी में काशी विश्वनाथ सबसे प्राचीन मन्दिर, सारनाथ स्तूप, काशीघाट, दशश्रृमेघ घाट; वृंदावन में श्री बांके बिहारी मन्दिर, श्री कृष्ण जन्मभूमि, प्रेम मन्दिर; लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा, रूमी दरवाजा, जनपथ मन्दिर; अयोध्या में राम मन्दिर; लखीमपुर खीरी में गोला गोकर्णनाथ, मेढ़क मन्दिर, किशनपुर वन्यजीव अभ्ययारण्य, दुधवा नेशनल पार्क; मेरठ में शहीद स्मारक, मुस्तफा महल, सरधना चर्च, औघड़नाथ मन्दिर; जैसे पर्यटक स्थल हैं, जो धार्मिक व ऐतिहासिक रुप से महत्वपूर्ण स्थल हैं।

उद्देश्य

1. उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग की वृद्धि एवं विकास का अध्ययन करना।
2. उत्तर प्रदेश में विदेशी तथा घरेलू पर्यटकों के आगमन की प्रवृत्ति का अध्ययन करना।
3. उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग की पहचान करना।

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश राज्य के पर्यटन उद्योग की वृद्धि एवं विकास के भौगोलिक अध्ययन पर आधारित हैं। जिसकी कुल जनसंख्या 1995,81,477 (जनगणना, 2011) है। उत्तर प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का चौथा सबसे बड़ा राज्य हैं। इसका कुल क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग किलोमीटर हैं। उत्तर प्रदेश का अधिकतर हिस्सा गंगा और यमुना दोआब क्षेत्र में आता है। इसका अंक्षाशीय विस्तार 23" 52′ उत्तरी अंक्षाश से 31" 28′ उत्तरी अंक्षाश है तथा देशान्तरीय विस्तार 77" 3′ पूर्वी देशान्तर से 84" 39′ पूर्वी देशान्तर है। यह राज्य

उत्तर में नेपाल देश, व उत्तराखंड राज्य, दक्षिण में मध्यप्रदेश, पश्चिम में हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान, पूर्व में बिहार तथा दक्षिण– पूर्व में झारखंड व छत्तीसगढ़ राज्यों से घिरा हैं। यह राज्य 75 जिलों में विभाजित हैं। सभी जिलें अपनी विविधताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।

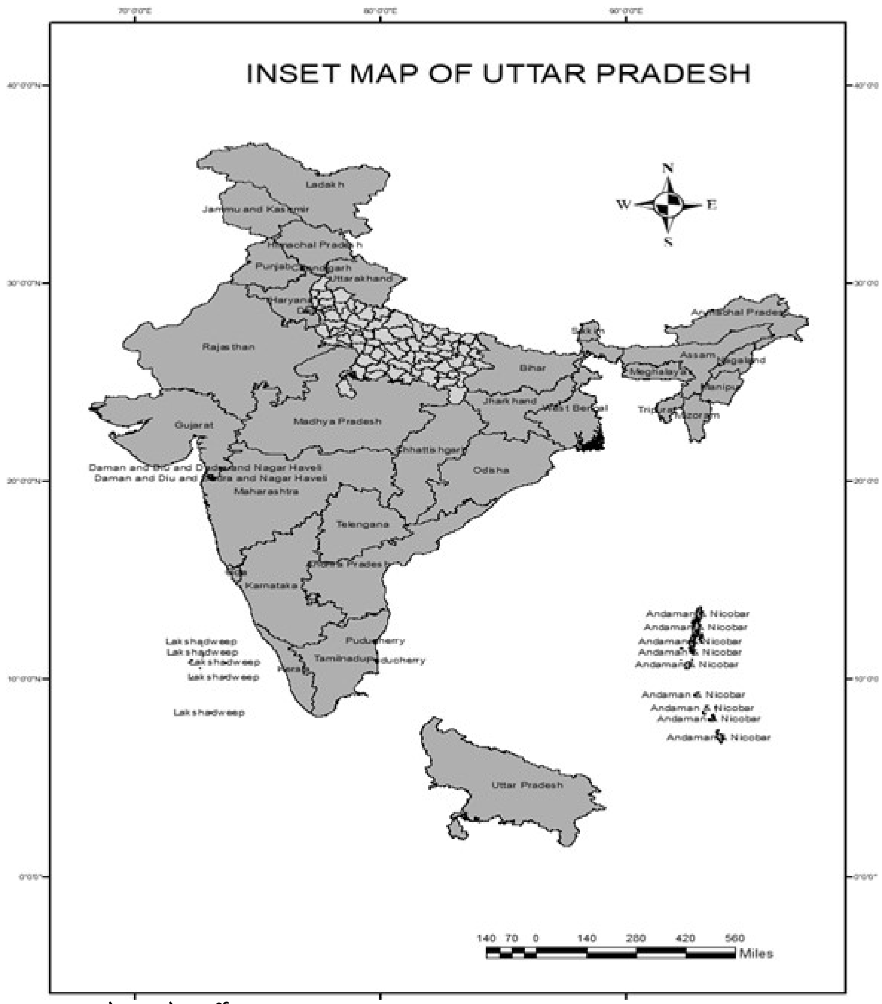

स्त्रोतः शोधार्थी

भारत के सन्दर्भ में, उत्तर प्रदेश में पर्यटकों की स्थिति

उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही हैं। ताजमहल, प्रेम मन्दिर, प्रयागराज संगम, सलीम चिश्ती की दरगाह, राम मन्दिर, बृज घाट बहुत से आकर्षक पर्यटक स्थल हैं, जो विश्व प्रसिद्ध हैं। उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग की स्थिति को समझने के लिए तालिका –1 में 2022 में

विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारत के शीर्ष 10 राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों की हिस्सेदारी कों दर्शाया गया हैं।

तलिका 1 : 2022 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारत के शीर्ष 10 राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों की हिस्सेदारी

क्र. सं.	राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश	विदेशी पर्यटकों की संख्या का प्रतिशत
1.	गुजरात	20.70
2.	महाराष्ट्र	17.60
3.	पश्चिम बंगाल	12.08
4.	दिल्ली	9.50
5.	उत्तर प्रदेश	7.56
6.	तमिलनाडू	4.74
7.	राजस्थान	4.62
8.	केरल	4.02
9.	पंजाब	3.84
10	मध्य प्रदेश	2.38
	कुल योग	87.03
	अन्य	12.97
	कुल	100.00

स्त्रोतः राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश पर्यटन विभाग रिपोर्ट 2022

तलिका–1 के अनुसार, वर्ष 2022 में विदेशी पर्यटकों की संख्या का प्रतिशत गुजरात राज्य में सर्वाधिक (20.70 प्रतिशत) हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और दिल्ली क्रमशः द्वित्तीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश 7.56 प्रतिशत के साथ पंचम स्थान पर हैं। 2022 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारत के शीर्ष 10 राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों की हिस्सेदारी को चित्र–1 के माध्यम से दर्शाया गया हैं।

चित्र 1

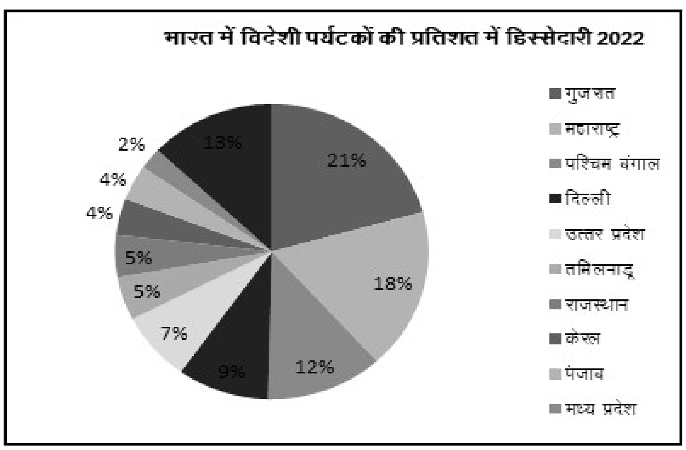

स्त्रोतः राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश पर्यटन विभाग रिपोर्ट 2022

उत्तर प्रदेश, 2021 में घरेलू पर्यटकों के आगमन में, तमिलनाडू के बाद दूसरे स्थान पर था। वर्ष 2021 में तमिलनाडू और उत्तर प्रदेश में, क्रमशः 140.65 मिलियन और 86.12 मिलियन घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ था। 2022 में, भारत के राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों में घरेलू पर्यटकों के आगमन के आँकड़ों में बदलाव हुए, जिनका विवरण तालिका–2 के माध्यम दिया गया हैं।

तलिका 2 : 2022 में घरेलू पर्यटकों की संख्या में भारत के शीर्ष 10 राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों की हिस्सेदारी

क्र. सं.	राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश	घरेलू पर्यटकों की संख्या का प्रतिशत
1.	उत्तर प्रदेश	18.37
2.	तमिलनाडू	12.63
3.	आंध्र प्रदेश	11.13
4.	कर्नाटक	10.54
5.	गुजरात	7.85
6.	महाराष्ट्र	6.43
7.	राजस्थान	6.26
8.	पश्चिम बंगाल	4.88
9.	तेलंगाना	3.51
10.	उत्तराखंड	3.16
	कुल योग	84.75
	अन्य	15.25
	कुल	100.00

स्त्रोतः राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश पर्यटन विभाग रिपोर्ट 2022

तलिका–2 के अनुसार, 2022 में उत्तर प्रदेश, घरेलू पर्यटकों के आगमन में तमिलनाडू को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान पर आ गया हैं। उत्तर प्रदेश में 2022 में 317.91 मिलियन घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ, जो 2021 में 86.12 मिलियन था। घरेलू पर्यटकों की संख्या में 231.79 मिलियन की धनात्मक वृद्धि हुई हैं। भारत के शीर्ष 10 राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों में घरेलू पर्यटकों की प्रतिशत में हिस्सेदारी 2022 को चित्र–2 के माध्यम से दर्शाया गया हैं।

चित्र 2: भारत के शीर्ष 10 राज्यों / केन्द्रशासित प्रदेशों में घरेलू पर्यटकों की प्रतिशत में हिस्सेदारी 2022

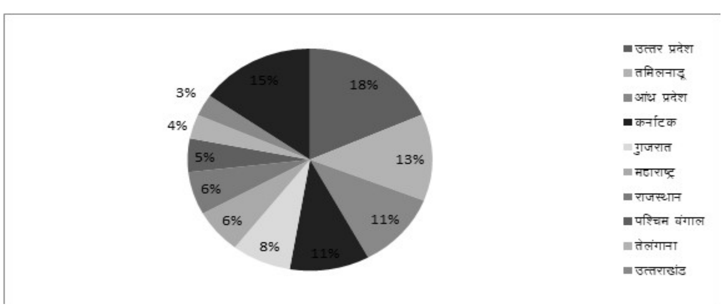

स्त्रोतः राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश पर्यटन विभाग रिपोर्ट 2022

उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों का आगमन (2014 – 2022)

उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटको की संख्या और विदेशी मुद्रा विनिमय लगातार बढ़ रही हैं। उत्तर प्रदेश, विदेशी पर्यटकों के साथ–साथ घरेलू पर्यटकों का भी पसंदिदा क्षेत्र हैं। 2014 – 2022 तक उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटको की संख्या को तालिका – 3 द्वारा दर्शाया गया हैं।

तलिका 3ः उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों का आगमन (2014 – 2022)

वर्ष	विदेशी पर्यटक
2014	29,09,735
2015	31,04,062
2016	31,56,812
2017	35,56,204
2018	37,80,752
2019	47,45,181
2020	8,90,932
2021	44,737
2022	6,48,986

स्त्रोतः उत्तर प्रदेश पयर्टन सांख्यिकी 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

तलिका–3 के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में विदेशी पर्यटकों की संख्या में 2014–2019 तक तीव्र वृद्धि हुई हैं। परन्तु 2019–2021 तक कोरोना जैसी महामारी के कारण पर्यटकों की संख्या में तेजी से गिरावट देखी गई। वर्ष 2022 मे फिर से पर्यटकों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी गई। 2014 – 2022 तक उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों की प्रवृत्ति को चित्र–3 के माध्यम से दर्शाया गया हैं।

चित्र–3

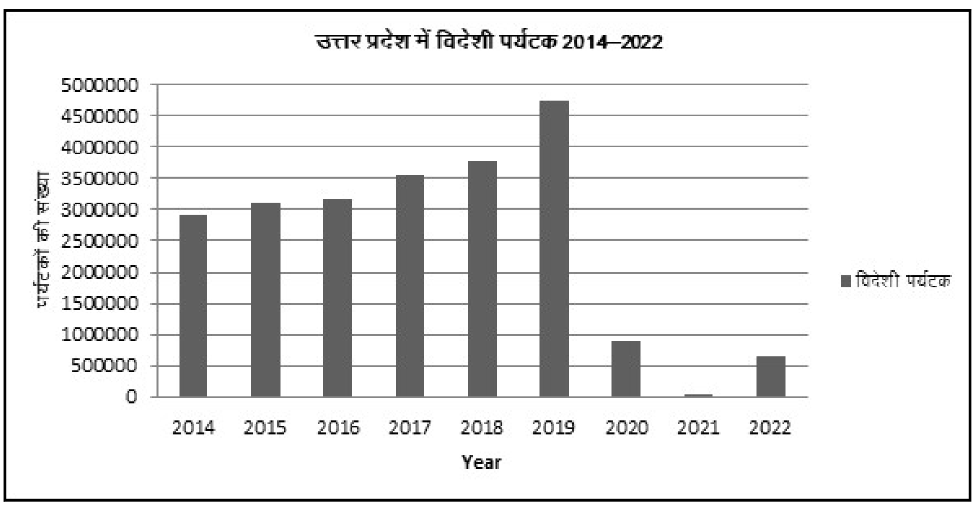

स्त्रोतः उत्तर प्रदेश पयर्टन सांख्यिकी 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों का आगमन (2014 – 2022)

उत्तर प्रदेश राज्य, भारत में घरेलू पर्यटन में नंबर एक स्थान पर हैं। वर्ष 2022 में 31,79,13,587 घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ। जो प्रदेश में पर्यटन उद्योग को फलने–फूलने में महत्वपूर्ण योगदान देता हैं। वर्ष 2014–2022 तक घरेलू पयर्टकों की प्रवषत्ति को तालिका–4 में दर्शाया गया हैं।

तलिका 4 : उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों का आगमन 2014 – 2022

वर्ष	घरेलू पर्यटक
2014	18,42,77,423
2015	20,65,15,617
2016	21,35,44,204
2017	23,39,77,619
2018	28,50,79,848
2019	53,58,55,162
2020	8,61,22,293
2021	10,97,08,435
2022	31,79,13,587

स्त्रोतः उत्तर प्रदेश पयर्टन सांख्यिकी 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश राज्य के पर्यटक स्थल, घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करने में सबसे आगे हैं। तालिका–4 के अनुसार 2014 से 2019 तक पर्यटकों की संख्या त्रीव्र वृद्धि हुई हैं। वर्ष 2018 –19 के बीच पर्यटकों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई। वर्ष 2019 से 2020 के बीच पर्यटकों की संख्या तेजी से घटी, जिसका मुख्य कारण कोरोना काल में भारत बन्द स्थिति थी। इसी कारण पर्यटकों के आगमन में तेजी से गिरावट देखी गई। वर्ष 2020–2022 के बीच फिर से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी गई। पर्यटकों के आगमन की प्रवृत्ति को चित्र 4 के माध्यम से दिखाया गया हैं।

चित्र 4

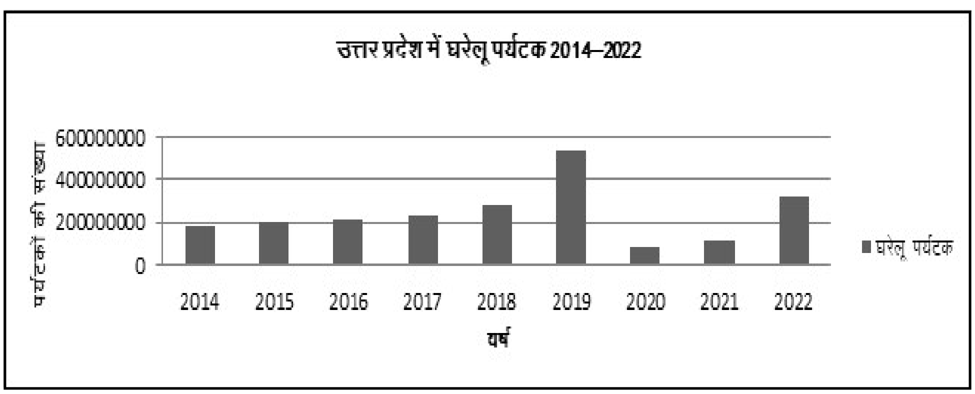

स्त्रोतः उत्तर प्रदेश पयर्टन सांख्यिकी 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों के आगमन का क्षेत्रवार दृश्य 2022

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने उत्तर प्रदेश के पर्यटक स्थलों को 9 क्षेत्रीय प्रदेशों में विभाजित किया हैं। जिनके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के सभी पर्यटक स्थल का समावेश हो जाता हैं। तालिका–5 में उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों आगमन की क्षेत्रवार संख्या दी गई हैं।

तलिका –5 उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों के आगमन का क्षेत्रवार दृश्य 2022

क्षेत्र	विदेशी पर्यटक
आगरा	495066
वाराणसी	89735
गौरखपुर	44565
लखनऊ	7275
मेरठ	6371
प्रयागराज	2015
बरेली	1721
अयोध्या	1511
झांसी	727

स्त्रोतः क्षेत्रीय कार्यालय रिपोर्ट 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

तलिका 5 में दिये गये आकडों के अनुसार आगरा क्षेत्र विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद हैं। दूसरे स्थान पर वाराणसी क्षेत्र हैं। गौरखपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, बरेली, अयोध्या और झांसी क्षेत्र के पर्यटक स्थल भी पर्यटकों के आगमन में अपनी भूमिका निभाते हैं। चित्र 5 में उत्तर प्रदेश में विदेशी पर्यटकों की क्षेत्रवार संख्या को दर्शाया गया हैं।

चित्र 5

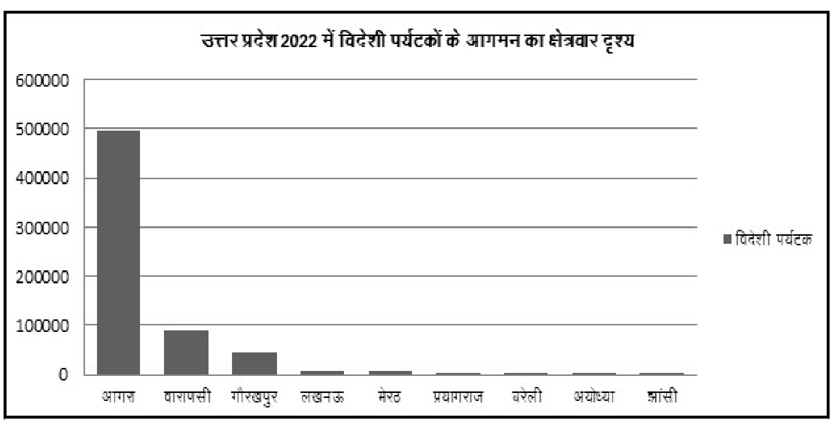

स्त्रोतः क्षेत्रीय कार्यालय रिपोर्ट 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

चित्र–5 के अनुसार, आगरा क्षेत्र में वर्ष 2022 में 495066 आये थे, जो अन्य क्षेत्र के पर्यटकों की संख्या से काफी अधिक हैं। आगरा क्षेत्र में ताजमहल, जो विश्व के सात अजूबों में से एक हैं, विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद हैं। वाराणसी और गौरखपुर के पर्यटक स्थल भी, पर्यटकों को आकर्षित करने में क्रमशः द्वित्तीय व तृतीय स्थान तर बने हुये हैं।

उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों के आगमन का क्षेत्रवार दृश्य 2022

उत्तर प्रदेश राज्य में गंगा नदी प्रवाहित होती हैं, जो अपना धार्मिक महत्व रखती है। हिन्दू लोग गंगा नदी की पूजा करते हैं। प्रयागराज संगम पर हर 12 वर्ष बाद मेले का आयोजन होता हैं। जिसमें भारत के कोने–कोने से लोग गंगा, यमुना और सरस्वती संगम पर डुबकी लगाने के लिये एकत्र होते हैं। उत्तर प्रदेश में देशी पर्यटकों के आगमन का क्षेत्रवार विवरण तालिका–6 में दिया गया हैं।

तलिका–6 उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों के आगमन का क्षेत्रवार दृश्य 2022

क्षेत्र	घरेलू पर्यटक
वाराणसी	82450713
टागरा	82355465
झांसी	35705816
प्रयागराज	28717284
अयोध्या	26817117
लखनऊ	23522402
मेरठ	20320204
ब्रेली	12437904
गोरखपुर	5586646

स्त्रोतः क्षेत्रीय कार्यालय रिपोर्ट 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश का वाराणसी क्षेत्र, घरेलू पयर्टकों को अघिक आकर्षित करता हैं। 2022 में घरेलू पयर्टकों की सर्वाधिक संख्या वारवणसी क्षेत्र में हैं। वाराणसी के सारनाथ स्तूप को देखने के लिए सबसे अधिक संख्या में लोग वहाँ जाते हैं। उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों की क्षेत्रवार संख्या को चित्र 6 में दर्शाया गया हैं।

चित्र 6 उत्तर प्रदेष 2022 में घरेलू पर्यटकों के आगमन का क्षेत्रवार दृश्य

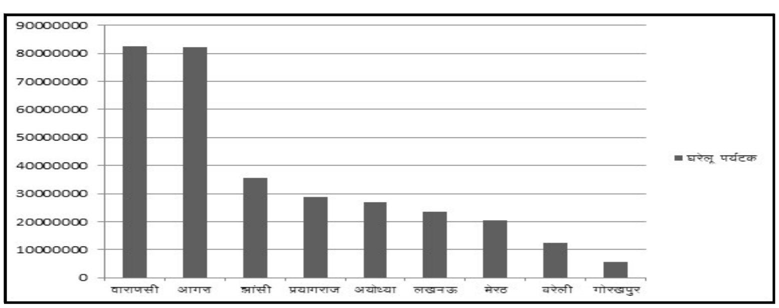

स्त्रोतः क्षेत्रीय कार्यालय रिपोर्ट 2022, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश

निष्कर्ष

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन उद्योग में तीव्र गति से वृद्धि कर रहा हैं। 2014 से 2022 तक उत्तर प्रदेश में घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आगमन के आँकड़ों का अध्ययन करने पर यह निष्कर्ष निकला हैं, कि उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई हैं। कोरोना काल, अपवाद हैं क्योंकि इस काल में पर्यटकों की संख्या में काफी कमी हुई हैं। 2014 से 2019 तक पर्यटकों की संख्या में धनात्मक वृद्धि हुई। 2019 में घरेलू पर्यटकों की संख्या 53,58,55,162 थी, जो 2020 में घटकर 8,61,22,293 ही रह गई। 2020 में पर्यटकों की संख्या में कमी कोरोना काल के कारण हुई। क्योंकि कोरोना काल में लोगों को भारत बन्द जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा था। वर्ष 2021–2022 में फिर से पयटकों की संख्या में धनात्मक वृद्धि हुई, जो 2022 में बढ़कर 31,79,13,587 हो गई। उत्तर प्रदेश, विदेशी पर्यटकों के आगमन में भी शीर्ष दस राज्यों में पांचवें स्थान पर हैं, जबकि घरेलू पर्यटकों के आगमन में शीर्ष दस राज्यों में प्रथम स्थान पर हैं। आगरा, वाराणसी और गौरखपुर क्षेत्र विदेशी पर्यटकों के आगमन में क्रमशः प्रथम, द्वित्तीय और तृतीय स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश में अयोध्या में राम मन्दिर बन जाने से विदेशी व घरेलू पर्यटकों की संख्या में आगामी वर्षों में तीव्र वृद्धि होने की संभावना हैं, पर्यटन उद्योग से प्राप्त पूँजी, उत्तर प्रदेश की जी. डी. पी. में पर्यटन उद्योग की हिस्सेदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जो राज्य व पर्यटक स्थलों के विकास में सहायक होती हैं।

संदर्भ

1. अहमद, एस., जोसेफ, टी.एस., ब्रेको, पी. (2019). ए कंपरिहेंसिव स्टडी ऑन रिलिजियस टयूरिज्म इन उत्तर प्रदेश. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन हयूमेनिटिज, आर्ट एण्ड लिटरेचर।*
2. कपूर, ए., जैन, आर. (2016). इर्म्पोटेंस ऑफ कल्चरल टयूरिज्म इन द् केयर एरिया ऑफ चौक, लखनऊ. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सांइनटिफिक एण्ड रिसर्च पब्लिकेशन*।
3. कुमार, ए. (2017). कल्चरल एण्ड हैरिटेज टयूरिज्मः ए टूल फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट. *ग्लोबल जर्नल ऑफ कॉमर्स एण्ड मैनेजमैंट परस्पेक्टिव*।
4. गुप्ता, स. (2012). उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थल. ग्रीन लीफ प्रकाशन।
5. चावला, सी. (2019). प्रोस्पेक्टस एण्ड प्रोब्लम्स ऑफ टयूरिज्म इंडस्ट्री इन उत्तर प्रदेश. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक एण्ड एप्लाईड रिसर्च*।
6. डॉ० जगमोहन. न. पर्यटन मार्किटिंग एवं विकास. तक्षशिला प्रकाशनः नई दिल्ली।
7. दास, क. (2017). पर्यटन, प्रवाह एंव प्रभाव, भारत में पर्यटन. प्रभात प्रकाशनः नई दिल्ली।
8. रंगा, एम., प्रधान, पी. (2017). पिलग्रीमेज टयूरिज्म मार्किटिंग स्ट्रेटजीः स्पेशल रेफरेंस टू डैस्टिनेशन ऑफ उत्तर प्रदेश रिलिजियस टयूरिज्म एण्ड द् कंटेम्पैरैरी टयूरिज्म मार्किट।
9. रिचर्ड, जी. (2018). कल्चरल टयूरिज्मः ए रिव्यू ऑफ रिसैंट रिसर्च एण्ड ट्रेण्डस. *जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एण्ड टयूरिज्म मैनेजमैंट*।

10. वेनूगोपालन, टी., बहारानी, जी. (2018). सस्टेनेबल टयूरिज्म डवलपमेंट इन इण्डियाः एक्सप्लोरेटरी रिसर्च ऑन. सस्टेनेबिलिटि ऑफ देहली टयूरिज्म. *इंटरनेशनल जर्नल फॉर इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एण्ड मैनेजमैंट*।
11. रिपोर्ट. (2022). उत्तर प्रदेश पयर्टन सांख्यिकी. पर्यटन विभागः उत्तर प्रदेश।
12. रिपोर्ट. (2022). उत्तर प्रदेश टयूरिज्म पॉलिसी. डिपार्टमेंट ऑफ टयूरिज्मः गावॅर्मेन्ट ऑफ उत्तर प्रदेश।
13. रिपोर्ट. (2018). उत्तर प्रदेश टयूरिज्म पॉलिसी. डिपार्टमेंट ऑफ टयूरिज्म. गावॅर्मेन्ट ऑफ उत्तर प्रदेश।
14. रिपोर्ट. (2022). टयूरिज्म स्टेटिस्टिक. मीनिस्ट्री ऑफ टयूरिज्मः गावॅर्मेन्ट ऑफ इण्डिया।
15. रिपोर्ट. (2023). टयूरिज्म स्टेटिस्टिक ए ग्लैंस. मीनिस्ट्री ऑफ टयूरिज्मः गावॅर्मेन्ट ऑफ इण्डिया।
16. https://uptourism.gov.in
17. https://uptourism.gov.in/en
18. https://uptourism.gov.in/en/post/year-wise-tourist-statistics
19. https://www.tourism-of-india.com/historical-places/